एस. एस. के. बसवेश्वर विज्ञान महाविद्यालय बसवकल्याण

हिन्दी पाठक्रम के उदेश्य

बी, एस. सी 1 सेम

काव्य संकलन

पद्य मुंजषा – डॉ.अशोक कुमार गुप्ता – मालिक अण्ड कंपनी जैपुर

अध्ययन के लिए अरभिक 8 कविताएं निधारीत है ।

1. झाँसी की रानी 2. सखी बसंत आय 3. भारत के नवयुवक 4. हिरोशिमा

कहानियाँ

कथा चंन - प्रो परिमला अंबेकर – अयन प्रकाशन कानपुर

अध्ययन के लिए निधारीत कहानियाँ

1. कफन 2. आकाशदीप 3. परदा 4. पाजेब 5. शरणदाता 6. ठेस
7. हरिबिंदी 8. सुनंदा का दरवाजा

पठ्यक्रम के उद्देश्य

1. झाँसी की रानि कविता में वार महीला झाँसी कके बारे में जानकारी प्राप्त होता है। महिला होने पर भी अंग्रेजो के खिलाफ लड़का देश के लिए जीवन त्याग देती है । विद्यार्थियो को झाँसी की रानी की व्यक्तित्व का परिचय मिलता है।
2. सखी बंसत आया कविता में प्रकृति में कैसा बसत आता है। वैसे ही उसके जीवन के आने के बाद अपने सखीयों से कहती है।
3. भारत के नवयुवक यहाँ पर कवि नवयुवकों को देश के प्रति उसके कर्तव्य क्या है उजागर करने के लिए कवि यहाँ पर नवयुवकों को संदेश दे रहे है।
4. हिरोशिमा कविता में बॉब विस्फोट होने के बाद वहाँ का वातावरण हानी किस प्रकार होता है विद्यार्थियों को इसके बारे में जानकारी प्राप्त होता है ।
5. पाजेब कहानी द्वारा बालक के मानेविज्ञान को दिखाया गया है। वहाँ बालक चोरी न करने पर भी उसके माता पिता उसको ही कसूरवार मानते है। बच्चों का कितना कोमल रहता है यहाँ पर दिखाया गया है।
6. शरणातदाता कहनी से देश की आजादी के नाम पर दोस्त दोस्त को जाने के लिए नही देता है। दोस्त दूसरे दोस्त को पास पनाह लेता है वहाँ खाने में विष भी देता है। उससे विद्यार्थियो को दोस्त रहने पर भी किस तरह दोखा करते है दिखाया है।
7. हरिबिंदी कहानी एक ऐसी कहानी है आधुनिक स्त्री की पति रहने पर आपने आप को स्वतंत्र नहीं मानती है। एक स्त्री के मन के बारे में दिखाया गया है।
8. सुनंदा का दरवाजा सुनंदा बचपन में ही शादी हो जाता है। छोटी रहने पर भी घर बच्चें, पति, सास, ससुर सभी की बात सुनकर अपने जीवन को हा कसौटी पर लगाती है।

एस. एस. के. बसवेश्वर विज्ञान महाविद्यालय बसवकल्याण

हिन्दी पाठक्रम के उदेश्य

बी, एस. सी 2 सेम

एकांकी

पाँच नय एकांकी – सं. ममता कलिया – लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली

1. स्ट्राईक 2. जोक 3. भोर का तारा 4. अंडे के छिलके 5. यहाँ रोना मना है।

संप्रेषण

व्यवसायिक संप्रेषण – अनूप चंदर भयाणी – राजपाल अण्ड सन्स 50-10 मदरसा रोड कश्मीर गेट दिल्ला - 110006

संप्रेषण के प्रकार – 1. भाषिक और भाषेतर संप्रेषण के प्रकार

2. पत्र, पत्र की उत्पती, पत्रों की विविध प्रकार
3. व्यवसायिक एवं कार्यलीन पत्र उसके कार्य उद्देश, तत्व उसके प्रमुख प्रकार
4. संप्रेषण कला / स्किल, रिपोर्ट, प्रतिवेदन, अभिवेदन, साक्षात्कार, इंटरव्यूव

पठ्यक्रम के उद्देश्य

1. स्ट्राईक एकाँकी में पति पत्नी दोनों घर में किसी तरह स्ट्राईक करते है वहाँ का वातावरण का चित्रण मिलता है।
2. जोक एकांकी द्वारा घर में कोई मोहमान आने के बाद किस तरह वजन होते है यहाँ पर व्यंग्य रीति से चित्रित किया है।
3. भोर का तारा एकांकी से शेकर का प्रेम से भरा हुआ भोर का तारा महाकाव्य को किस तरह फाड डालता है उसके जीवन में वही एक भोर का तारा बन जाता है।
4. अंडे के छिलके हस्य एकांकी है घर में सभी दूसरे से छुपा कर अंडे खाते रहते है। और घर में सभी को यह बात पता रहते भी दूसरे से अंजान रहते है।
5. यह रोना मना है। एकांकी से एक भी मन की भावनाओं का मैके में माँ मर जाने पर भी सास जानेके लिए नहीं छोडती है। जब बहु दिल खोलकर भी रोने से रोकती है सास देवर की शादि में उसकी भाभी दिल खोलकर नाचती है और रोती भी है गिर जाती है।
6. संप्रेषण किसे कहते है ? उसके प्रकारों के सीखते है।
7. पत्र किसे कहते है ? उसके प्रकरों के सीखते है।
8. व्यवसायिक पत्र किसे कहते है ? उसके पत्र, उद्देश्य, प्रमुख प्रकारों को सीखते है। अभिवेदन, प्रतिवेदन, इंटव्यूव, साक्षात्कार, रिपोर्ट इसके बारे में जानकारी हासिल करते है।

एस. एस. के. बसवेश्वर विज्ञान महाविद्यालय बसवकल्याण

हिन्दी पाठक्रम के उदेश्य

बी, एस. सी 3 सेम

खंडकाव्य

शम्बूक – जगदीश मिश्र - लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली

उपन्यास

अगिन में एक वृक्ष – दुर्ष्यत कुमार – राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली

उपन्यास

1. शम्बूक खण्डकाव्य द्वारा विद्यार्थी रामायण की घटना को याद करते है। राम जब 14 बरस वन में रहता है। फिर राजा होने के बाद एक राजा होने के साथ किस तरह रहता है। राम क्षत्रीय रहने पर शम्बूक शुद्ध होने पर किस शोषण करता है । और दानों का वार्तालाप का चित्रण मिलता है।
2. शम्बूक राम को कहता है। तुम राजा होने के नाते शुद्र लोगों पर क्यो जूल्म करते हो तुम्हे समाज में लोग देवता का दर्जा दिये है। और तुम लोगों को क्या मदद करे और शुद्र लोगों को कभी भी जमाने में आगे बढने के लिए नहीं देते है। मुझे भी रोक रहे हो। तुम्हारे राज्य में जो भी घटना घट चुकी है। उससे मोरा कुछ भी संबंध नहीं है। एकलव्य को भी द्राणाचार्य ने धनुरविद्या नही दिये थे फिर भी अपने बल पर आगे बड़ने पर भी फिर कुटिल से उसका उगंली को काटा गया।
3. आँगन में एक वृक्ष यहाँ परिवारवालों का कहानी हे। एक बड़े परिवार में पिताजी, भाई. भाभी, छोटे भाई सभी लोग किस तरह मिलकर रहते है विद्यार्थियों को जानकरी हासिल होता है।
4. आँगन में एक वृक्ष लोग एक बड़ा वृक्ष के समान और जो छोटे रहते है उनके फूल, पोंधे के समान वैसा ही उनका परिवार बड़े लोगों को गौरव देना, संस्कार करना मदद करना इस उपन्यास में देख सकते है।

एस. एस. के. बसवेश्वर विज्ञान महाविद्यालय बसवकल्याण

हिन्दी पाठक्रम के उदेश्य

बी, एस. सी 4 सेम

नाटक

हानुष – भीष्म साहनी – राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

निबंध संकलन

निबंध संकलन – सं. डॉ. सुष्मा दुबे, डॉ. राजकुमार – वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

1. मन की दृढता 2. कविता क्या है 3. आम फिर बारा गए 4. भारतीय साहित्य की एकता
5. प्रेमचंद और यथार्थवाद 6. आँगन की पंछी 7. विकलांग श्रद्धा का दौर

पाठ्यक्रम

1. हानुष कुपलसाज रहते हुए भई किस तरह घडी बनाता है और अपने बिबी और बच्चों को देख लोता है।
2. हानुष पहले बहुत गरीब रहने पर घडी बनाने के बाद गली वाले लोग उसको बहुत ईज्जत देते है। राजा उसके आँखे निकाल देता है उस घडी को आवाज जब भी सुनाई देता है तब एक मछली की जैसा तड़पता रहता।
3. हानुष उस घडी को तोडने की कोशिश करता है तोडने के बाद भी उसका रिपेरी करना पडता है। अंधा रहने पर भी उस घडी को एक एक अंग को छूने के बाद फिर उसके शरीर में एक नए शक्ति का संचलन हो जाता है।
4. हानुष के दिल में हो जाने वाले भावनाओं, दुःख और समाज के लोग करने वाले शोषण को हमें देखने के लिए मिलता है।
5. मन की दृढता से हमें हमारा मन किस तरह से रखना चाहिए हमें जीवन में किस तरह रहना चाहिए संदेश विद्यार्थियों को देते है।
6. भारतीय साहित्य की एकता से हमारा भारत की साहित्य का परिचय मिलता है। और प्राचिन काल में साहित्य किस तरह था कवि के जीवन के बारे में और आज का साहित्य का वर्णन हमें उपलब्द होता है।
7. प्रेमचंद और यथार्थवाद मे प्रेमचंद्र के जीवन, प्रेमचंद के लेखनी और प्रेमचंद किस तरह से लिखते है कहानी, काव्य, उपन्यास का विवरण देखने को मिलता है।
8. कविता क्या है ? कविता में किस तरह से कविता लिख सकते है कविता का मूल भाव क्या है ? उसके उद्देश, कवि के भावनाएँ विस्तृत रूप में देखा जा सकता है।

H.O.D. of Hindi
S.S.K Basaveshwar Arts, Science, Commerce, UG & PG College
Basavakalyan Dist. Bidar

PRINCIPAL
S.S.K. Basaveshwar Arts, Science, Commerce
UG & PG College, Basavakalyan